संस्कृत विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

पत्रांक : 950 / SAN   दिनांक– 28–06–2022

सेवा में,

कुलसचिव,
कुमाऊँ वि"वविद्यालय,
नैनीताल।

द्वारा– अधिष्ठाता–कलासङ्काय, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।

विषय– राष्ट्रीय ि"ाक्षानीति–2020 के प्रारुप के अनुसार पूर्व में निर्मित स्नातक स्तर–संस्कृत पाठ्यक्रम को पाठ्यक्रमसमिति द्वारा 30 प्रतिशत परिववर्तन के साथ संस्तुत पाठ्यक्रम एवं पूर्व के संचालित संस्कृत के सभी पाठ्यक्रमों को यथावत् संस्तुत पाठ्यक्रम के अनुमोदनार्थ प्रेषित के सम्बन्ध में।

महोदय,

वि"वविद्यालय के पत्रांक के0यू0 / 2022 / 213 दिनांक– 22.06.2022 के सन्दर्भ में दिनाङ्क 28 जून 2022 को संस्कृत पाठ्यक्रमसमिति की बैठक सम्पन्न की गयी जिसमें बाह्यविषयविशेषज्ञो एवं आमन्त्रित सदस्यों के द्वारा **राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रारुप के अनुसार पूर्व में निर्मित संस्कृत स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम पर विचार– विमर्श किया गया।**
पाठ्यक्रम समिति द्वारा 30 प्रतिशत परिववर्तन के साथ स्नातक संस्कृत के पाठ्यक्रम की संस्तुत की गयी। साथ ही सी0बी0सी0एस0 स्नातकोत्तरपाठ्यक्रम, स्नातक के सेमेस्टर प्रणाली, वार्षिक पाठ्यक्रम, पीएच0डी0 प्रवेशपरीक्षा पाठ्यक्रम तथा कोर्सवर्क–विशिष्टाध्ययन के संचालित पाठ्यक्रमों को यथावत् संस्तुत किया गया, जिसकी सॉफ्टकापी तथा हार्डकापी एक प्रति में अधिष्ठाता–कलासङ्काय, डी0एस0बी0परिसर के द्वारा अग्रसारित कर अनुमोदनार्थ कार्यालय को उपलब्ध की गयी है।

अतः महोदय आवश्यक कार्यवाही हेतु सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें।

सधन्यवाद

भवदीया

संयोजक पाठ्यक्रमसमिति संस्कृत विभाग
डी0एस0बी0 परिसर,
कुमाऊँ वि"वविद्यालय नैनीताल।

संस्कृत पाठ्यक्रम–समिति की बैठक

28.06.2022 को कुमाऊँ वि”वविद्यालय, नैनीताल के पत्रांकः मान्यता/के0यू0/2022/231 दिनांक–22.06.2022 के क्रम में दिनांक–28.06.2022 को प्रातः 11 बजे से वि”वविद्यालय के शोध कक्ष में बैठक आहूत की गयी है जिसमें बाह्यविषय वि”ोषज्ञों एवं आमन्त्रित सदस्यों की उपस्थिति रही– (आफॅ लाइन बैठक)

बाह्यविषय विशेषज्ञों के नाम
हस्ताक्षर

1. प्रो0 अयोध्यादास श्री वैष्णव
   पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत
   प्राच्यसंस्कृत विभाग, लखनऊ
   वि”वविद्यालय, लखनऊ। मो0– 9415914900
2. प्रो0 गिरी”ा चन्द्र पन्त
   पूर्व विभागाध्यक्ष संस्कृत
   जामिया मिलिया इस्लामिया केन्द्रीय
   वि”वविद्यालय, नई दिल्ली–110025। मो0–9717652577
3. प्रो0 हरी”वर दीक्षित
   विभागाध्यक्ष संस्कृत विद्या–धर्म
   संकाय, का”ी हिन्दू वि”वविद्यालय
   वाराणसी, मो0–9450085521

आमन्त्रित सदस्यों के नाम
हस्ताक्षर

1. प्रो0 कमला पन्त,
   विभागाध्यक्ष संस्कृत,
   एम0बी0पी0जी0 कालेज, हल्द्वानी मो0–9410307057
2. डॉ0 राघव झा
   प्रभारी संस्कृत वि0रा0स्नात0महा0 का”ीपुर।
   मो0–9411120317
3. डॉ0 मूलचन्द्र शुक्ल
   प्रभारी संस्कृत वि0रा0स्नात0महा0 रामनगर।
   मो0–8650081295

1. संकायाध्यक्ष–कला,
   डी0एस0बी0, परिसर
   कुमाऊँ वि”वविद्यालय, नैनीताल।

2. संयोजक पाठ्य समिति
   परिसर, कुमाऊँ वि”वविद्यालय, नैनीताल।
   मो0–9411196999

पाठ्यसमिति की कार्यसूची–

1. सर्वसम्मति से गतकार्यवाही की पुष्टि।
2. नई ि”क्षा नीति 2020 के अनुपालन में स्नातकस्तर के पाठ्यक्रम पर विचार–विम”र्ा।
3. सी0बी0सी0एस0 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर विचार–विर्म”ा।
4. स्नातक सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम पर विचार–विर्म”ा।
5. स्नातक वार्षिक प्रणाली पाठ्यक्रम पर विचार–विर्म”ा।
6. पीएच0डी0 प्रवे”ा परीक्षा पाठ्यक्रम में विचार–विम”र्ा।
7. प्री0कोर्स के द्वितीय प्र”नपत्र पाठ्यक्रम (वि”िाष्टाध्ययन) पाठ्यक्रम में विचार–विर्म”ा।
8. परीक्षकों की सूची निर्माण में विचार–विर्म”ा।
9. अन्य विषय।

पाठ्यसमिति का कार्यवृत्त–

1–सर्वसम्मति से गतकार्यवाही की पुष्टि की गयी।

2–नई ि”क्षानीति 2020 के अनुपालन में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम पर सम्यक् विचार विम”र्ा के बाद संलग्नक के अनुसार सर्वसम्मति से स्नातक पाठ्यक्रम की संस्तुति की गयी।

3–सी0बी0सी0एस0 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पर विचार विम”र्ा किया गया तथा सर्वसम्मति से संलग्नक के अनुसार सी0बी0सी0एस0 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संस्तुति की गयी।

4–स्नातक सेमेस्टर प्रणाली के पाठ्यक्रम पर विचार–विम”र्ा किया गया तथा विचार–विम”र्ा के उपरान्त सर्वसम्मति से संलग्नक के अनुसार स्नातक सेमेस्टर प्रणाली का पाठ्यकम संस्तुत किया गया।

5– स्नातक वार्षिक प्रणाली पाठ्यक्रम पर विचार–विम”र्ा किया गया। सम्यक् विचार–विम”र्ा के अनुसार स्नातक वार्षिक प्रणाली पाठ्यक्रम की सर्वसम्मति से संस्तुति की गयी।

6– पीएच0डी0 प्रवे”ा परीक्षा के पाठ्यक्रम पर विचार–विम”र्ा किया गया तथा विचार–विम”र्ा के प”चात् संलग्न के अनुसार सर्वसम्मति से पीएच0डी0 प्रवे”ा परीक्षा के पाठ्यक्रम की संस्तुति की गयी।

7– पीएच0डी0 प्री कोर्स के द्वितीय प्र”न पत्र (वि”िाष्टाध्ययन) पाठ्यक्रम पर विचार–विम”र्ा किया गया तथा संलग्नक के अनुसार सर्वसम्मति से पाठ्यक्रम की संस्तुति की गयी।

8– परीक्षकों की सची निर्माण में विषय में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संयोजक पाठ्यसमिति को परीक्षकों की सूची निर्माण के लिए अधिकृत किया जाता है।

9– अन्य विषय के अन्तर्गत सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि भविष्य में पाठ्यक्रम एवं अंक सम्बन्धी किसी भी प्रकार के परिवर्तन होने की स्थिति में कला संकाय के अन्य विषयों की भॉति समरूपता नीति (Uniform Policy) के आधार पर संयोजक संस्कृत विभाग एवं विभागीय सदस्यों द्वारा विवेक से निर्णय लेने तथा आव”यक परिवर्तन करने की संस्तुति की जाती है।

तदुपरान्त सध्न्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न की गयो।

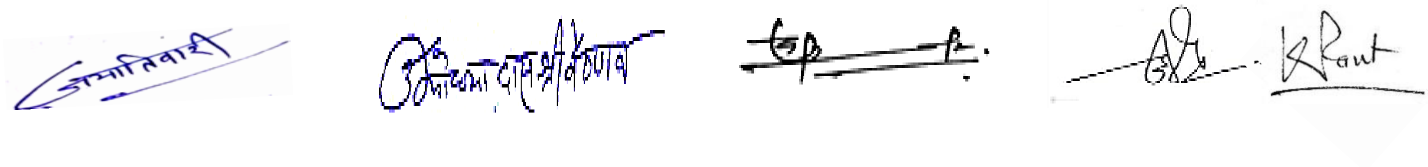

DRAFT

National Education
Policy-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF UG SANSKRIT SYLLABUS

2021

Syllabus Preparation, checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	PROF. PUSHPA AWASTHI	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
2.	PROF. JAYA TIWARI	PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
3.	PROF. SHALIMA TABASUM	PROFESSOR	SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
4.	PROF. KAMALA PANT	PROFESSOR	SANSKRIT	MBPG COLLEGE HALDWANI
5.	PROF. SHALINI SHUKLA	PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE PITHORAGAR
6.`	DR. POONAM PATHAK	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	SHRIDEV SUMANA UNIVERSITY, RISHIKESH
7.	DR. LAJJA BHATT	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
8.	DR. NEETA ARYA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
9.	DR. NEERAJ JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
10.	DR. RAGHAVA JHA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE KASHIPUR
11.	DR. MOOLA CHANDRA SHUKLA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	PG COLLEGE RAMNAGR
12.	DR. PRADEEP KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRECE)	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

28 जून 2022 की संस्कृत पाठ्यकमसमिति द्वारा 30 प्रतिशत परिवर्तन के साथ संस्तुत पाठ्यकम

List of all Papers in Six Semester

Semester-wise Titles of the Papers in Sanskrit-National Education Policy- 2020

Year wise Structure of UG/ B.A.(CORE / ELECTIVE COURSES & PROJECTS)									
Subject: Sanskrit									Total Credits/hrs
Course /Entry –Exit Levels	**Year**	**Sem.**	**Paper 1 Major Course**	**Credit/ hrs**	**Paper 2 Minor/ Elective**	**Credit/ hrs**	**Research Project**	**Credit**	
Certificate Course In Arts-Sanskrit	I	I	**थ्योरी**– संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	6	**थ्योरी**– संस्कृत भाषा अध्ययन– **केडिट–3** **अभ्यास कार्य**– संस्कृतसम्भाषण – **केडिट–1**	4			12 + 4 + 12
		II	**थ्योरी**– संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	6					
Diploma in Art-Sanskrit	II	III	**थ्योरी**– संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	6	**थ्योरी**– श्रीमदभगवद्गीता का अध्ययन	4			12 + 4 + 12
		IV	**थ्योरी**– संस्कृतसाहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	6					
Bachelor of Arts- Sanskrit	III	V	**थ्योरी**– साहित्यशास्त्र, द”र्न एवं व्याकरण	5			*संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं में लघुशोध कार्य	4	
			थ्योरी– उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य	5					
		VI	**थ्योरी**– वैदिकवाङ्मय	5			*वैदिकवाङ्मय पर आधारित लघुशोध कार्य	4	
			थ्योरी– धर्मशास्त्र : स्मृति एवं अर्थ”ास्त्र	5					

*** Qualifying Only**

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs):	
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य– समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थी साहित्य के अध्ययन से तात्कालिक समाज एवं संस्कृति से अवगत होगा।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौ”ाल प्राप्त कर उनमें प्रभाव”ााली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मवि”वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वै”िवक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगे।
PO5	विद्यार्था संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादे”ाक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृतसाहित्य की आधार एवं अनिवार्य ”िाक्षा प्राप्त कर सकेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG I Year / Certificate cours Arts with Sanskrit

1.सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
2.संस्कृतसाहित्य के विभिन्न विषयों यथा नीतिसाहित्य,, व्याकरण, महाकाव्य, छन्द, अलङ्कार एवं नाटक इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृतविषय के महत्त्व का बोध होगा।
3.संस्कृतभाषा अध्ययन, सम्भाषण, से जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेगें।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG II Year/ Diploma in Arts with Sanskrit

1. संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति ,व्याकरण का बोध हो सकेगा।
2. श्रोमद्भगवद्गीता के अध्ययन से आत्मप्रबन्धन में कुशल होगें।
3. धर्म–द”ान, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कु”ाल नागरिक बनेंगे।
4. संस्कृतसाहित्य के अन्तर्गत प्राचीन–अर्वाचीन संस्कृतसाहित्यकारों की कृतियों में निबद्ध समसामयिक विषय का बोध होगा।

Programme specific outcomes (PSOs):
UG III Year / Bachelor of Arts with Sanskrit

PSO1	विद्यार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय क रूप मे साहित्य”ाास्त्र, द”ान एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
PSO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत, उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य से परिचित होगें।
PSO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यकम में विद्यार्थी वैदिकवाङ्मय ,एवं धर्मशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
PSO4	पाठ्यकम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञानपरम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन, एवं नीतिकथाओं के अध्ययन से विद्यार्थी का चारित्रिक उन्नयन होगा।
PSO5	पाठ्यकम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
PSO6	कौटिलीय अर्थ”ाास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें। इस प्रकार धर्म–द”ान, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव

	एवं कु”ल नागरिक बनेंगे। प्रस्तावित विषय–संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं एवं वैदिकवाङ्मय पर आधारित विषय पर लघुशोधकार्य से विद्यार्थियों की शोधपरक बुद्धि का विकास होगा। सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मनन–चिन्तन से उनका बौद्धिकस्तर बढेगा साथ ही समसामयिक समस्या के निदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***		**Year: I**	**Semester:I Paper-I**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत नीतिसाहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिसाहित्य में प्रयुक्त नैतिकि"ाक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौ"ाल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का वि"िाष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौ"ाल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	नीति"ातकम्– भर्तृहरि (प्रारम्भ की पाँच पद्धतियॉ)–संस्कृत नीतिसाहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीतिसाहित्य का योगदान, मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मान–"ाौर्य–पद्धति, अर्थपद्धति, दुर्जनपद्धति। के प्रत्येक पांच–पांच श्लोकों का अर्थ एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	17
Unit II	हितोपदे"ा–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीतिकथाओं का विकास एवं महत्त्व, श्रीनारायणपण्डित का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदे"ा की प्रथम दा कथाओं का सारां"ा (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit III	व्याकरण– संज्ञाप्रकरणम्–माहे"वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञाप्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।	17
Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्।	10
Unit V	धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिंङ्।	10
	Class Room Lectures	70
	~~Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc~~	~~20~~
		Total- 90

Suggested Reading:

1. नीति”ातकम्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. भर्तृहरि कृत नीति”ातकम्,मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. हितोपदे”ा– सम्पादक डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. हितोपदे”ा (मित्रलाभ)– डॉ0 कविता गौतम, युवराज प्रकाशन, आगरा।
5. हितोपदे”ा सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कोलकता।
6. भर्तृहरिविरचितम नीति”ातकम्, भर्तृहरि (व्या0) राके”ा शास्त्री, परिमल पब्लिके”ान, दिल्ली 2003।
7. भर्तृहरिविरचितम् नीति”ातकम्, बाबराम त्रिपाठी (सम्पादक), महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत–'ललिता'– संस्कृत– हिन्दी टीकोपेता– डॉ0 कौ”ालकि”ोरपाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत– व्याख्याकार श्री धरानन्द”ाास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

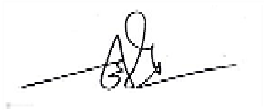 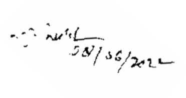

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:I or II** **Paper-II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: संस्कृतभाषा अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृतभाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेंगी।
2. संस्कृतभाषा को स्नातक–कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।
3. संस्कृतभाषा के ज्ञान से नैतिकमूल्यों, आध्यात्मिकमूल्यों से युक्त ग्रन्थो के अध्ययन में सुगमता प्राप्त होगी। मूल्यपरक ग्रन्थों के बोध से अपने जीवन का लक्ष्य पूर्ण करने समर्थ होगें।
4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।
5. संस्कृतसम्भाषण से विद्याार्थियों की वाक्शक्ति का विकास होगा।

Credits:4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संज्ञाप्रकरण–माहे”वरसूत्र, प्रत्याहार, संस्कृतवर्णमाला परिचय एवं वर्णों के उच्चारणस्थान। संन्धिप्रकरण–अच् सन्धि –दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, यण् सन्धि, वृद्धि सन्धि, अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि एवं पररूप सन्धि। हल् सन्धि –श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व,, चर्त्व, अनुस्वार, लत्व सन्धि। विसर्ग सन्धि – सत्व, उत्व, रुत्व, लोप।	15
Unit II	शब्दरूप – राम, हरि, रमा, फल लेखनमात्र एवं शब्दरूपों प्रयुक्त होने वाले सुप् प्रत्यय बोध। धातुरूप – पठ्, गम्, भू, दा।(पंचलकार– लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) लेखनमात्र एवं धातुरूप में प्रयुक्त होने वाले तिप् प्रत्यय बोध। सर्वनामरूप लेखनमात्र– तत्, एतत् (पु0, स्त्री0 एवं नपुं0 लिङ्ग) अस्मद्, युष्मद्।	05
Unit III	01 से 100 तक संख्यालेखन तथा संख्याविशेषण– यथा– एकधा, द्विधा, त्रिधा आदि, प्रथमा,द्वितीया आदि, दैनिकव्यावहारिक प्रचलितप्र”ाासनिक अंग्रेजी ”ाब्दों का सस्कृतरूप एवं संस्कृत में वाक्यरचना अभ्यास। शब्दावली– शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थ शब्दावली एवं संस्कृत में वाक्यसचना अभ्यास।	05
Unit IV	कारकप्रयोग, प्रत्ययपरिचय, उपसर्गपरिचय, अव्ययपरिचय, वाच्यपरिवर्तन बोध एवं संस्कृत में वाक्यरचना अभ्यास।	14
Unit V	पत्रलेखन– शासकीयपत्र एवं अ”ाासकीयपत्र। हिन्दीवाक्यों का से संस्कृतभाषा में अनुवाद, संस्कृतभाषा में वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद का अभ्यास। संस्कृतसम्भाषण– संस्कृतं वदतु, , संस्कृत वाक्यसंग्रह, वाक्यविस्तरः तथा संलापसरणिः इत्यादि से संस्कृतसम्भाषण अभ्यास । **10 दिवसीय संस्कृतसम्भाषण** शिविर एवं मौखिकपरीक्षा– आन्तरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1– रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, वि”वविद्यालय प्रका”ान, वाराणसी।

2– प्रौढ रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, वि”वविद्यालय प्रका”ान, वाराणसी।

3– संस्कृत भाषा– अंकित प्रका”ान, हल्द्वानी।

4– लघुसिद्धान्तकौमुदी– धरानन्द शास्त्री(व्या0), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

5– बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

6– भाषा प्रवेशः–प्रथमः भागः सम्पादकाः– डॉ0 चाँदकिरण सलूजा, डॉ0 विश्वास, गिरिश चन्द्र तिवारी–संस्कृतभारती नवदेहली

7– वाच्य परिवर्तन – डॉ0 मधुर लता द्विवेदी– युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।

8– संस्कृतस्वाध्यायः प्रथमा दीक्षा– सम्भाषणम्– वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नव देहली।

9– संस्कृतस्वाध्यायः प्रथमा दीक्षा– वाक्यव्यवहारः– वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नव देहली।

10– संस्कृतस्वाध्यायः प्रथम दीक्षा– वाक्यविस्तरः– वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्रो, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,नव देहली।

11– प्रारम्भिक संस्कृत वाक्य संग्रह– सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थानम्, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit***	**Year: I**	**Semester:II Paper-I**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौ”ाल में पारंगत होंगे।

Credits:6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रघुवं”ाम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 25 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवं”ापरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं काव्यगत वि”ोषताएं।	14
Unit II	रघुवं”ाम्– कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 26 से 50 श्लोक पर्यन्त–श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत वि”ोषताएं एवं समीक्षात्मक प्र”न।	12
Unit III	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, ि”ाखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, वि”ोषोक्ति, अति”ायोक्ति।	12
Unit IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत, 1–4 अंक–”लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	22
Unit V	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्य”ाास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (द”ारूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आका”ाभाषित, विष्कम्भक, प्रवे”ाक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1. राघुवं”ाम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री– प्रका”ान साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार ,मेरठ–250002।

2– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ किरण टण्डन।

3– अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार।

4– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदारभट्ट– व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रका”ान, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण– नवम्–द”ाम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय– डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रका”ान।
7– छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ0 सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रका”ान, दिल्ली।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक वि”लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रका”ान भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रका”ान, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास– रमा”ांकर तिवारी।
13– संस्कत नाटक– ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

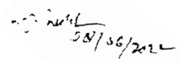

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit*	**Year: II**	**Semester:III Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की वि”ोषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	किरातार्जुनीयम्– भारवि कृत– प्रथम सर्ग–01 से 50 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	17
Unit II	ि”ावराजविजयम्– अम्बिकादत्त व्यास कृत प्रथम विराम से प्रथम निः”वास, गन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	16
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की वि”ोषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।	10
Unit IV	सन्धिप्रकरणम्–(लघुसिद्धान्तकौमुदी से) अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्दे”ापूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्दे”ापूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्दे”ापूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।	15
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1–किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिके”ान, दिल्ली।
2– ि”ावराजविजयः (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमा”ांकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र।

6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सूरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– ि”ावराजविजय– डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रका”ान, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी– महे”ा सिंह कु”ावाहा।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***	**Year: II**	**Semester:III or IV** **Paper-II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी प्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	**Minor/ Elective Paper**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	श्रीमद्भगवद्गीता– महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेदव्यास का परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का संक्षिप्त परिचय।	05
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग– श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अन्तर्गत सांख्ययोग से सम्बन्धित विषय विवेचन।	10
Unit III	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय में निहित कर्म सिद्धान्त का विवेचन।	10
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के सम्पूर्ण अध्यायों में निहित ज्ञानयोग की विवेचना एवं महत्त्व।	14
Unit V	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन– श्रीमद्भगवद्गीता म वर्णित आत्मप्रबन्धन का विवेचन एवं मानवजीवन में आत्मप्रबन्धन की उपयोगिता।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता– गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रका"ान, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ0 रामप्रका"ा सारस्वत, महालक्ष्मी प्रका"ान, आगरा।
6. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य, बालगंगाधर तिलक

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

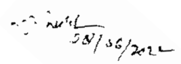

DIPLOMA COURSE IN UG		
Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***	**Year: II**	**Semester:IV Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: संस्कृतसाहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनच्छेद लेखन क्षमता को विकास होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	f”ा”ुपालवधम्–महाकाव्यम्–प्रथम सर्ग–01से 50 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, f”ा”ुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	17
Unit II	कादम्बरी– ”ुकनासोपदे”ा– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदे”ा के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	16
Unit III	प्राचीन सस्ंकृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा–वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष।	10
Unit IV	अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमा राव, f”ावप्रसाद भारद्वाज, मथुरा प्रसाद दीक्षित, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, विद्याभूषण श्रीकृष्ण चन्द्र जोशी, लोकरत्न पन्त– गुमानी, डॉ0 अशोक डबराल, डॉ0 राधे”याम गंगवार।	15
Unit V	निबन्ध लेखन : संस्कृत भाषा में – संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीf”ाक्षा, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम्।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1– f”ा”ुपालवधम्– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रका”ान, आगरा।
2– कादम्बरी : शुकनासोपदेश
3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रका”ान वाराणसी।

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रका”ान, वाराणसी।

5– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।

6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधाबल्लभ त्रिपाठी वि”वविद्यालय प्रका”ान वाराणसी।

7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

8– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।

9– संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदे”ा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदे”ा।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

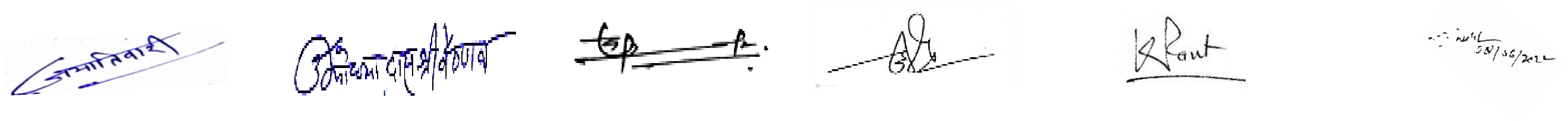

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:V** **Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्य”ाास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दा”ानिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दा”ानिक तत्त्वों के प्रति वि”लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरण”ाास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौ”ाल का विकास हो सकेंगा।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	साहित्यदर्पणः– षष्ठः परिच्छेदः– काव्य के अन्यनिमित्तक भेद : दृश्य काव्य, कारिका 1 से 19 कारिका पर्यन्त– साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य वि”वनाथ का परिचय, कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।	15
Unit II	साहित्यदर्पणः– षष्ठः परिच्छेदः– काव्य के अन्यनिमित्तक भेद : श्रव्य काव्य, कारिका 313 से 337 कारिका पर्यन्त– कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	12
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त– ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	14
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त– व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	12
Unit V	व्याकरण– प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, क्त्, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)– प्रत्यय परिचय, सूत्रों का व्याख्या, उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार– ि”ावनारायण शास्त्री, परिमल प्रका”ान।
2. साहित्यदर्पण– प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रका”ान।
3. तर्कसग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्र”ोखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महे”ा सिंह कु”ावाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।

7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रका”ान।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमे”ा चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रका”ान।
10.कृदन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिके”ान्स, नई दिल्ली।
11.काव्यदीपिका– कान्ति चन्द्र भट्टाचार्य– मोती लाल बनारसी दास।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

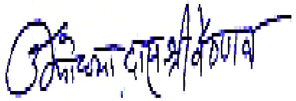 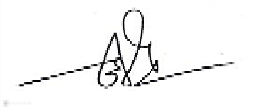 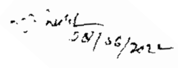

DEGREE COURSE IN UG

Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:V** **Paper-II**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदे”ाों का अवबोध होगा।
2. पुराणों के परिचय से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
3. स्तोत्रकाव्य के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
4. स्तोत्रकाव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषदों की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।	12
Unit II	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– प्रथमवल्ली – कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र”न।	15
Unit III	पमुख पुराणों का सामान्य परिचय– ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, मार्कण्डेय पुराण, वायु पुराण और स्कन्द पुराण।	14
Unit IV	श्रीमद्भागवद्पुराण का ''नारायण कवच''– श्रीमद्भागवद्पुराण परिचय, एवं नारायण कवच का अर्थ एवं महत्त्व	12
Unit V	स्तोत्रकाव्य : आदित्यहृदयस्तोत्र– स्तोत्रकाव्य का परिचय, महत्त्व एवं आदित्यहृदयस्तोत्र का अर्थ एवं महत्त्व ।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विम”र्ा– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतोलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।
4– वैंदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्– सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:V Project**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं पर लघुशोधकार्य**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी लघु”ोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होगें।
2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए संस्कृत साहित्य अध्ययन सहायक होगा।
3. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कु”ालता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघु”ोध कार्य की भूमिका, शोधशीर्षक, उद्दे”य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि का संक्षिप्त परिचय।	20
Unit II	संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं का सामान्य परिचय।	20
Unit III	संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण। लघुशोधकार्य– पृष्ठ 30 से 50 तक।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc विद्यार्थी द्वारा किये गये अपने लघुशोधकार्य का प्रस्तुतिकरण।	Total- 60

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रका”ान, अथवा शारदा निकेतन, वाराणसी।
2. नाट्य”ास्त्र– भरतमुनि, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. संस्कृत वाड्.मय का बृहद् इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदे”ा अकादमीय लखनऊ।
4. साहित्यदर्पण– शालिग्राम”ास्त्रीविरचित, मोतीलाल बनारसो दास, वाराणसी।

5–द”ारूपकम्– धनञ्जय,मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

6–काव्यदीपिका– विद्यारत्न कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली।

7–संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास–भाग 1–4,राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेशन,दिल्ली

8–संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि,चौखम्बा भारती अकादमी,वाराणसी

9–संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

10–काव्यदीपिका– सम्पादक प्रो0 गिरीश चन्द्र पन्त, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG

Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:VI** **Paper-I**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title: वैदिकवाङ्मय**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. वैदिकवाड्ग्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदे”ाों एवं मूल्या के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्द”ार्न होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक्बोध से सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेगें।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वेद– ऋग्वेद– अग्निसूक्त– 1/1, विष्णुसूक्त– 1/154, पुरुषसूक्त– 10/90, वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तो का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	15
Unit II	यजुर्वेद– f”ावसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वाद”ाकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	14
Unit V	वेदाङ्ग–f”ाक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एव निरुक्त का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रका”ान, हल्द्वानी ।

2– वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे।

3– वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह।

4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।

5– वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रका”ा पाण्डे।

6– f”ावसंकल्पसूत्रम्– संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रका”ान, वाराणसी।

7–न्यूवैदिक सलेक्शन– भाग–1, 2 सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)

8– ऋक्सूक्त मञ्जूषा– प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यप्रकाशन, नई दिल्ली।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***	**Year: III**	**Semester:VI Paper-II**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: धर्मशास्त्र : स्मृतियाँ एवं अर्थशास्त्र**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।
3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. कौटिलीय अर्थ"ाास्त्र के अध्ययन से राज्यव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

Credits: 5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय– स्मृति साहित्य का परिचय, महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय, प्रमुख स्मृतियों का परिचय।	09
Unit II	मनुस्मृतिः– प्रथमः अध्यायः–संसारोत्पत्ति वर्णन से षड्मनूनां नामनिर्देशः तक (05 से 63 श्लोक तक)– मनुस्मृति का प्रतिपाद्य विषय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit III	याज्ञवल्क्यस्मृतिः– व्यवहाराध्यायः– साधारणव्यवहारमातृकाप्रकरणम् तथा दायविभागप्रकरणम्– याज्ञवल्क्य स्मृति का प्रतिपाद्य विषय एवं श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit IV	कौटिलीय अर्थ"ाास्त्र का सामान्य परिचय– कौटिल्य अर्थ"ाास्त्र का प्रतिपाद्य विषय, आचार्य कौटिल्य परिचय, कौटिल्य अर्थ"ाास्त्र का महत्त्व एवं समीक्षात्म प्र"न।	14
Unit V	कौटिलीय अथ"ाास्त्र :– विनयाधिकारिक प्रथमाधिकरण–से आन्वीक्षिकीस्थापना, त्रयीस्थापना एवं वार्तादण्डनीतिस्थापना के अं"ाों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्र"न।	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– मनुस्मृति– पण्डित रामे"वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
2– याज्ञवल्क्यस्मृति (हिन्दीव्याख्याकार)– डॉ0 उमे"ा चन्द्र पाण्डेय, आचार्य कपिलदेव गिरि– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3– वैंदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
4– वि"ाुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
5– मनुस्मृति हिन्दी व्याख्या सहित– डॉ0 गजानन्द शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा प्रका"ान, वाराणसी।

6– याज्ञवल्क्यस्मृतिः– मिताक्षरा– संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित– गंगासागर राय, चौखम्बा प्रका”ान, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*	**Year: III**	**Semester:VI** **Project**
Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: वैदिकवाङ्मय पर आधारित लघुशोधकार्य**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1.विद्यार्थी लघुशोधकार्य के माध्यम से शोधप्रविधि से सुपरिचित होंगे।
2.वैदिकवाङ्मय के विविध ग्रन्थों से परिचित होगे।
3.वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मणगन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद् ,वेदाङ्ग एवं वैदिकसाहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।
4.लघुशोधकार्य के पश्चाद् बृहद्शोधकार्य के प्रति उत्साहित हागे।
5.शोधसर्वेक्षण के माध्यम से अन्य विषयों में शोधकार्य की सम्भावनाओं से अवगत होंगे।

Credits: 4	**Project**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघु”ाोधकार्य की भूमिका, उद्दे”य, महत्त्व, शोधसवेक्षण एवं शोधप्रविधि की उपादेयता।	20
Unit II	वैदिकवाङ्मय का परिचय।	20
Unit III	वेदिकवाङ्मय में किये गये शोधकार्य का सर्वेक्षण एवं शोधप्रविधि के अनुसार लघुशोधकार्य ।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion, Presentation etc	Total- 60

Suggested Reading:

1.वैदिकसाहित्य का इतिहास–डॉ0 करण सिंह, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. पातंजलयोगद”ानिम्– पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववै”ाारदी, भारतीय विद्या प्रका”ान, वाराणसी, 1981।
3. योगद”ान– हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रका”ान।
5. श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पादक) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिके”ान, दिल्ली 1988।
6. 108 उपनिषद्– ज्ञान खण्ड एवं साधना खण्ड– प्रका”ाक युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट गायत्री तपोभूमि, मथुरा उत्तर प्रदे”ा।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
अन्य सभी विभाग एवं संकाय